

**न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी (राजस्व) नोहर**

पीठासीन अधिकारी का नाम : पंकज गढ़वाल (आर0ए0एस0 )

अपील सं0 : 7 सन 2021

अनवान :-

1. अब्दुल सतार पुत्र सुरजेखां जात मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर जिला हनुमानगढ

अपीलान्ट

**बनाम**

1. सलामूदीन पुत्र उसमान खां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर।
2. लालखा पुत्र उसमान खां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर।
3. गाजी पुत्र उसमान खां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर।
4. ताज खां पुत्र उसमान खां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर।
5. सरोज पत्र उसमान खां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर।
6. बेगा पत्नी उसमान खां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर।
7. हारून पुत्र आलमदनी पुत्र उसमानखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।
8. पप्पू पुत्र आलमदनी पुत्र उसमानखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।
9. गोगी पुत्र आलमदनी पुत्र उसमानखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।
10. अकरम पुत्र असमान खां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
11. सलमा पुत्री जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
12. भूरी पुत्री जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
13. कसमीन पुत्र नूरजहाँ जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
14. गुलजारा पुत्री नूरजहाँ जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
15. दलबीर पुत्र नूरजहाँ जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
16. गुलेखा पुत्र जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
17. गुडडी पुत्री जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
18. लालेखा पुत्र जगीरखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
19. अदरीश पुत्र जगीरखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
20. दलमीर पुत्र जगीरखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
21. नवाब पुत्र जगीरखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
22. इकबाल पुत्र जगीरखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
23. रूकसाना पुत्री जगीरखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
24. कुरसेदा पुत्री जगीरखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
25. हलीमा पुत्री जगीरखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
26. सलीमा पुत्री जगीरखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
27. कनोज पत्नी सदीक जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
28. आमीन पुत्र सदीक जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
29. बली मोहम्मद पुत्र सदीक जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
30. सोना पुत्री सदीक जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
31. भीखा पत्नी कासमदीन जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
32. मुख्त्यार पुत्र कासमदीन जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
33. मुस्ताक पुत्र कासमदीन जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
34. जुलफकार पुत्र कासमदीन जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
35. मोहम्मद पुत्र कासमदीन जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर
36. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर तहसील नोहर।
37. सरपंच जरिये ग्राम पंचायत देईदास तहसील नोहर।
38. अजरूखान पुत्र अरसिया पुत्री सुबेखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।
39. हबीबी खां पुत्र अरसिया पुत्री सुबेखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर जिला हनुमानगढ



72. सिराज पुत्र इब्राहिम पुत्र सुरजेखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।
73. चिराग पुत्र इब्राहिम पुत्र सुरजेखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।
74. चिराग पुत्र इब्राहिम पुत्र सुरजेखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।
75. मदीना पुत्री इब्राहिम पुत्र सुरजेखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।
76. नजमा पुत्री इब्राहिम पुत्र सुरजेखां जाति मुसलमान निवासी ढाणी लालखां तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

असल रेस्पोडेन्ट

5. बनवारी पुत्र शेराराम जाति जाट निवासी सरदारपुरा तहसील रावतसर जिला हनुमानगढ।

तरतीबी रेस्पोडेन्ट

अपील विरुद्ध नामान्तकरण संख्या 23 दिनांक 04.10.1977 रोही मौजा ढाणी लालखां जिसे ग्राम पंचायत देईदास द्वारा तस्दीक किया गया को निरस्त करने।

उपस्थित : श्री मदन मोहन जोशी अधिवक्ता वादी

निर्णय दिनांक :- 26/07/2024

सक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि अपीलान्ट ने यह अपील अन्तर्गत 75 एल.आर.एक्ट के तहत इस आशय की पेश की गई है कि रोही मौजा ढाणी लालखां के खसरा न0 219 की 6.10 बीघा, खसरा न0 233/268 की 1.02 बीघा, कुल 7.12 बीघा भूमि थी जो वर्तमान में खाता संख्या 52/46 के खसरा न0 219 की 1.6440 हैक व खसरा न0 233/268 की 0.2780 हैक में परिवर्तन पैमुद है जिसके सुरजेखां वल्द रावतखां खातेदार काश्तकार थे।

उक्त साबिका खसरा न0 143 मीन की भूमि थी जो हाल खसरा न0 219, 233/268 में परिवर्तन कर पैमुद हुई है जो मिलान क्षेत्रफल से साबित है।

उक्त भूमि सुरजेखां वल्द रावतखां की नौतोड करदा कब्जा काश्त की भूमि है जो सुरजेखां सम्वत 2012 से उक्त भूमि के खातेदार काश्तकार है सम्वत 2029 से 2038 तक राजस्व रिकार्ड में सुरजेखां वल्द रावतखां के नाम सही तौर से दर्ज थी परन्तु अपीलाधीन नामान्तकरण में रेस्पोडेन्टस के मौरूसान ने उक्त भूमि कतई गलत व अनुचित तौर से अपने नाम दर्ज करवा ली जबकि सुरजेखां खातेदार काश्तकार था उक्त भूमि में अपीलान्ट व तरतीबी रेस्पोडेन्टस मुताबिक हक व हिस्सा के खातेदार काश्तकार थे रेस्पोडेन्टस ने मातहत अदालत ने कतई अनुचित व मनमाने ढंग से अपीलाधीन नामान्तकरण दर्ज कर दिया जो विधि विरुद्ध है

मातहत अदालत ने पटवारी हल्का की मदद से सुरजेखां वल्द रावतखां के नाम नामान्तकरण के कॉलम संख्या 5 में काटकर सुखा वल्द रावतखां दर्ज कर दिया गहरी स्याही से पैन से उक्त अंकन में सुरजेखा के स्थान पर सुखा दर्ज कर दिय तथा सुबेखा का नाम उक्त खाता में नहीं था तथा कॉलम संख्या 5 में सुबेखां दर्ज भी नहीं हे मातहत अदालत गैर कानूनी ढंग से गलत दर्ज किया है

अपीलाधीन नामान्तकरण कारित करते समय मातहत अदालत ने साबिका खसरा न0 43 मीन में खातेदार कौन है वादग्रस्त भूमि की जांच नहीं की तथा पूर्व की खतौनियात को अनदेखा व नजर अन्दाज करके अपीलाधीन नामान्तकरण दर्ज किया गया है जिससे तरतीबी रेस्पोडेन्टस व अपीलान्ट के हको का हनन होता है व अपने खातेदारी अधिकारों से वंचित हो जाते है

अपीलान्ट को अपीलाधीन नामान्तकरण का ज्ञान नहीं था क्योकि वाद भूमि अपीलान्ट एवं तरतीबी रेस्पोडेन्टस के कब्जा काश्त में चली आ रही है दिनांक 05.10.2021 को रेस्पोडेन्टस

उक्त भूमि पर कॉलोनी विकसीत करने के उद्देश्य से नक्शा लेकर प्लॉट काटकर अन्य अजनबी लोगो को काबिज करने लगे तब अपीलान्ट को उक्त भूमि जो अपीलान्ट व तरतीबी रेस्पोजेन्टस के कब्जा काशत में थी रेस्पोजेन्टस के नाम दर्ज होने का ज्ञान हुआ जो अवैध है अवैध व क्षेत्राधिकार विहिन आदेश में कोई मियाद अवधि नहीं है फिर भी सुविधा की दृष्टि से दफा 5 मियाद अपीधनियम का प्रार्थना पत्र संलग्न अपील मिमों प्रस्तुत किया गया है।

अतः अपील अपीलान्ट प्रस्तुत कर निवेदन है कि अपीलाधीन नामान्तकरण संख्या 23 स्वीकृत दिनांक 04.10.1977 रोही मौजा ढाणी लालखां स्वीकृतकर्ता ग्राम पंचायत देईदास तहसील नोहर को अपास्त करने के आदेश फरमावे।

अपीलान्ट की अपील प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर रेस्पोजेन्टस को जरिये रजिस्टर सम्मन के तलब किया गया रेस्पोजेन्टस या उनका कोई प्लीडर न्यायालय में उपस्थित नहीं आने पर एकपक्षिय कार्यवाही अमल में लाई गई जाकर अपीलान्टस के अधिवक्ता की बहस सुनी गई।

अपीलान्ट के अधिवक्ता ने अपनी बहस में अपने अपील मिमों में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया की रोही मौजा ढाणी लालखां के खसरा न0 219 की 6.10 बीधा , खसरा न0 233/268 की 1.02 बीधा, कुल 7.12 बीधा भूमि थी जो वर्तमान में खाता संख्या 52/46 के खसरा न0 219 की 1.6440 हैक् व खसरा न0 233/268 की 0.2780 हैक् में परिवर्तन पैमुद है जिसके सुरजेखां वल्द रावतखां खातेदार काशतकार थे।

उक्त साबिका खसरा न0 143 मीन की भूति थी जो हाल खसरा न0 219 ,233/268 में परिवर्तन कर पैमुद हुई है जो मिलान क्षेत्रफल से साबित है।

उक्त भूमि सुरजेखां वल्द रावतखां की नौतोड करदा कब्जा काशत की भूमि है जो सुरजेखां सम्वत 2012 से उक्त भूमि के खातेदार काशतकार है सम्वत 2029 से 2038 तक राजस्व रिकार्ड में सुरजेखां वल्द रावतखां के नाम सही तौर से दर्ज थी परन्तु अपीलाधीन नामान्तकरण में रेस्पोजेन्टस के मौरूसान ने उक्त भूमि कतई गलत व अनुचित तौर से अपने नाम दर्ज करवा ली जबकि सुरजेखां खातेदार काशतकार था उक्त भूमि में अपीलान्ट व तरतीबी रेस्पोजेन्टस मुताबिक हक व हिस्सा के खातेदार काशतकार थे रेस्पोजेन्टस ने मातहत अदालत ने कतई अनुचित व मनमाने ढंग से अपीलाधीन नामान्तकरण दर्ज कर दिया जो विधि विरुद्ध है

मातहत अदालत ने पटवारी हल्का की मदद से सुरजेखां वल्द रावतखां के नाम नामान्तकरण के कॉलम संख्या 5 में काटकर सुखा वल्द रावतखां दर्ज कर दिया गहरी स्याही से पैन से उक्त अंकन में सुरजेखा के स्थान पर सुखा दर्ज कर दिया तथा सुबेखा का नाम उक्त खाता में नहीं था तथा कॉलम संख्या 5 में सुबेखां दर्ज भी नहीं हे मातहत अदालत गैर कानूनी ढंग से गलत दर्ज किया है

अपीलाधीन नामान्तकरण कारित करते समय मातहत अदालत ने साबिका खसरा न0 43 मीन में खातेदार कौन है वादग्रस्त भूमि की जांच नहीं की तथा पूर्व की खतौनियात को अनदेखा व नजर अन्दाज करके अपीलाधीन नामान्तकरण दर्ज किया गया है जिससे तरतीबी रेस्पोजेन्टस व अपीलान्ट के हको का हनन होता है व अपने खातेदारी अधिकारों से वंचित हो जाते है अतः अपील अपीलान्ट स्वीकार की जाकर अपीलाधीन नामान्तकरण संख्या 23 निरस्त फरमावे।

हमने वकील अपीलान्टस की एक पक्षिय बहस सुनी पत्रावली का अवलोकन किया गया प्रस्तुत जमाबन्दी सम्वत 2012 से 2013 में साबिक खसरा न0 143 में सुरजा वल्द रावतखां के नाम दर्ज है

अपीलान्ट का कथन है कि वाद भूमि साबिका खसरा न0 143 मीन जिसके हाल खसरा न0 219 ,233/268 बने है अपीलान्ट के पूर्वज सुरजेखा वल्द रावतखां के कब्जा काशत में थी एव वर्तमान में अपीलान्ट एव तरतीबी रेस्पोजेन्टस के कब्जा काशत में चली आ रही है अपीलान्ट के द्वारा प्रस्तुत जमाबन्दी सम्वत 2012 , 2013 में साबिका खसरा न0 143 मीन की भूमि सुरजेखां वल्द रावतखां के नाम दर्ज है जिससे अपीलान्ट के कथनों को बल मिलता है आगामी जमाबन्दी सम्वत 2016 में सुखा वल्द रावतखां दर्ज है किन्तु सुखा शब्द में ऑवरराईटींग की गई है ऐसा प्रतित होता है कि सुरजा के नाम को सुखा में परिवर्तन किया गया है इसके पश्चात बने जमाबन्दी सम्वत 2029 से 2038 में सुखा वल्द रावतखां दर्ज किया गया है

नामान्तकरण संख्या 23 के कॉलम संख्या 5 में भी सुखा शब्द को गहरा किया जाकर गया है अर्थात औवरराईटिंग की गई है नामान्तकरण संख्या 23 दर्ज करते समय मौका पर किसका कब्जा काश्त है कि जांच करना नहीं पाया जाता है पटवारी हल्का के द्वारा बनाये गये कुर्सीनामा के आधार पर नामान्तकरण दर्ज किया गया है जो न्यायोचित नहीं है।

नामान्तकरण संख्या 23 दर्ज करने से पहले मौका पर वाद भूमि किसके कब्जा काश्त में चली आ रही है तथा राजस्व रिकार्ड में काट छांट होने पर उससे पूर्व का रिकार्ड की जांच की जानी चाहिये थी की पूर्व राजस्व रिकार्ड में भूमि किसके नाम दर्ज है तथा वर्तमान राजस्व रिकार्ड में भूमि किस हैसियत से दर्ज हुई है यदि रिकार्ड में लिपिकिय त्रुटी से दर्ज हुई तो राजस्व रिकार्ड को पहले शुद्ध किया जाना चाहिये था तत्पश्चात आगामी कार्यवाही की जानी चाहिये थी राजस्व रिकार्ड में दर्ज अंकन का सत्यापन होने के बाद ही विरास्तन नामान्तकरण दर्ज किया जाना चाहिये था हस्तगत प्रकरण में रेस्पोंडेन्टस को रजिस्टर सम्मन से तलब करने के उपरान्त भी न्यायालय में रेस्पोंडेन्टस या उनका कोई प्लीडर उपस्थित नहीं होना भी अपीलान्ट के कथनों को बल मिलता है।

हस्तगत प्रकरण में मौका व रिकार्ड की जांच करने के उपरान्त ही राजस्व रिकार्ड में अंकन करवाया जाना न्यायोचित प्रतित होता है पूर्व राजस्व रिकार्ड की अक्षरश मिलान करने एवं मौका पर वाद भूमि किसके कब्जा काश्त में चली आ रही है की जांच करने के उपरान्त व वाद भूमि से सम्बन्धित सभी पक्षकारों को सुनवाई का सुमतिच अवसर व साक्ष्य सबुत पेश करने का अवसर दिया जाकर पूनः अपीलाधीन नामान्तकरण दर्ज किया जाना उचित है ताकि किसी भी काश्तकार के हकों का हनन ना हो सके।

अतः अपील अपीलान्ट आंशिक रूप से स्वीकार की जाकर नामान्तकरण संख्या 23 रोही मौजा ढाणी लालखां स्वीकृत दिनांक 04.010.1977 को निरस्त किया जाता है जाकर प्रकरण तहसीलदार राजस्व नोहर को इस निर्देश के साथ रिमाण्ड किया जाता कि उभयपक्षों को सुनवाई एवं साक्ष्य सबुत पेश करने का अवसर दिया जाकर पूनः निर्णय पारित किया जावे निर्णय की प्रति तहसीलदार नोहर को पालनार्थ भिजवाई जावे। व्यय अपील उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय आज दिनांक 26/07/2024 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बसरे ईजलास में सुनाया गया।

al  
उपखण्ड अधिकारी ( राजस्व )  
नोहर ( हनुमानगढ )

सत्यमेव जयते